गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-506

पाठ्यक्रम का शीर्षक: आलोचक और आलोचना

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आलोचना का व्यावहारिक रूप में प्रयोग और साहित्य के इतिहास का ज्ञान अपेक्षित।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को आलोचना की अवधारणा, इतिहास, स्वरूप, भेद आदि से परिचित कराना। • विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना के विकास से परिचित कराना। • विद्यार्थियों को शुक्लयुगीन आलोचना से लेकर मार्क्सवादी और अस्मितावादी आलोचना-दृष्टि से परिचित कराना। • विद्यार्थियों को विभिन्न आलोचकों के योगदान से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	1. आलोचना: अवधारणा, स्वरूप एवं भेद • आलोचना, समालोचना और समीक्षा में अंतर • आलोचक के गुण • आलोचक के दायित्व	**08**
	2. हिंदी आलोचना का विकास • भारतेंदुयुगीन आलोचना और नवजागरण • महावीरप्रसाद द्विवेदी और पुनर्जागरण • आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि • छायावादी कवियों की आलोचना दृष्टि	**12**

	3. शुक्लोत्तर आलोचना • हज़ारीप्रसाद द्विवेदी: मानवतावादी एवं सांस्कृतिक आलोचना • नंददुलारे वाजपेयी और स्वच्छंदतावादी आलोचना	**08**
	4. मार्क्सवादी आलोचना • मार्क्सवादी आलोचना का परिचय • शिवदान सिंह चौहान	**12**
	5. आलोचक: विशेष अध्ययन • आचार्य रामचंद्र शुक्ल • रामविलास शर्मा • गजानन माधव 'मुक्तिबोध' • नामवर सिंह • निर्मला जैन • डॉ० धर्मवीर	**20**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) अवस्थी, रेखा. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 2) चौहान, शिवदान सिंह. आलोचना के मान. संपादन: विष्णुचंद्र शर्मा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 1958. 3) जैन, निर्मला. नई समीक्षा के प्रतिमान. किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2015. 4) जैन, निर्मला. हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014 5) जैन, नेमिचंद (सं०). मुक्तिबोध रचनावली भाग-4. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2007. 6) जैन, नेमिचंद (सं०). मुक्तिबोध रचनावली भाग-5. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2007.	

	7) डॉ. धर्मवीर. कबीर के आलोचक. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2004 8) डॉ. रामबक्ष. समकालीन हिंदी आलोचक और आलोचना. हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1991 9) तिवारी, रामचंद्र. हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016. 10) त्रिपाठी, विश्वनाथ. हिंदी आलोचना. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2003. 11) दास, डॉ॰ श्यामसुंदर. साहित्यालोचन. भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2007. 12) द्विवेदी, हज़ारीप्रसाद. साहित्य सहचर. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013. 13) नवल, नंदकिशोर. हिंदी आलोचना का विकाास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011. 14) प्रसाद, कमला. आलोचक और आलोचना. आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा, 2002. 15) मधुरेश. हिंदी आलोचना का विकास. सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012 16) शर्मा, रामविलास. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 17) शर्मा, रामविलास. महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010. 18) सिंह, डॉ॰ बच्चन. हिंदी आलोचना के बीज शब्द. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2015.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी हिंदी आलोचना की विकास यात्रा से परिचित होंगे। • विद्यार्थी आलोचक के गुण, सीमाओं आदि से परिचित होंगे। • विद्यार्थी शुक्लयुगीन आलोचना से लेकर अस्मितावादी आलोचना की विशेषताओं से परिचित होंगे।	

	• विद्यार्थी आलोचकों के आलोचनात्मक योगदान से परिचित होंगे।	